जो विरोधी
की दया
की अपेक्षा
करती है सो अहिंसा
नहीं है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 199 | जयपुर. बुधवार . | 18 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

राजस्थान में सर्दी ने पकड़ा जोर, फसलों पर जमी ओस

जयपुर (कासं)। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म होने के बाद राजस्थान में सर्दी बढ़ गई है। अलवर जिले में मंगलवार को फसलों पर ओस की बूंदें नजर आईं। उत्तरी राजस्थान के जिलों में सोमवार को सीजन का पहला कोहरा छाया। सुबह-शाम हल्की सर्द हवा चलने से कई शहरों में न्यूनतम तापमान में 1 से लेकर 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई। इससे यहां सुबह-शाम अचानक सर्दी तेज हो गई। जालोर को छोड़कर सभी शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा ठंडी रात फतेहपुर (सीकर) में रही। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो राज्य में अब सर्दी जोर पकड़ेगी। अगले तीन-चार दिन मौसम ड्राई रहेगा। पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो सोमवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कुछ इलाकों में कोहरा छाया। पंजाब से लगते श्रीगंगानगर के इलाकों में सुबह घना कोहरा रहा। दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ हुआ और धूप निकली। कोहरा पड़ने के साथ ही इन जिलों में सुबह हल्की सर्द हवा चली। जबकि शेष जिलों में आसमान साफ रहा और तेज धूप रही। सीकर, श्रीगंगानगर में भी तापमान 3 डिग्री सेल्सियस गिर गया। सीकर में न्यूनतम तापमान 13.4, श्रीगंगानगर में 14.1, अलवर, करौली में 13.8, टोंक में 14.3 और माउंट आबू में 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस फतेहपुर में दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने बताया- वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के बाद अब राजस्थान में आज से रात में सर्दी तेज होने की संभावना है। श्रीगंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़, सीकर समेत अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने का अनुमान है।

हाईकोर्ट की केजरीवाल को फटकार, जवाब के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आपराधिक अवमानना मामले में जवाब दाखिल करने में देरी को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने नेताओं को जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का अंतिम मौका देते हुए स्पष्ट किया कि इसके बाद कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान नाराजगी जताते हुए पीठ ने कहा कि आप हमें गुमराह कर रहे हैं। अदालत ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में जवाब दाखिल नहीं करने पर उनका जवाब देने का अधिकार स्वत: समाप्त हो जाएगा। यह आपराधिक अवमानना की कार्यवाही दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ आप नेताओं की सोशल मीडिया टिप्पणियों को लेकर शुरू की गई थी। मई में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने आप नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज सहित अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी। इन नेताओं पर आबकारी नीति मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और उनकी छवि खराब करने का आरोप है। दरअसल, न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा आबकारी नीति मामले में सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसमें आरोपियों को बरी किए जाने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। इस दौरान आप नेताओं ने सोशल मीडिया पर न्यायमूर्ति की राजनीतिक निष्ठा पर सवाल उठाए थे। साथ ही वाराणसी के एक शिक्षण संस्थान में दिए गए उनके भाषण का संपादित वीडियो भी साझा किया गया था।

विदेशी ताकतों के सहारे भारत को बदनाम कर रही कांग्रेस : राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा आयोजित हैदराबाद समिट को भारत विरोधी एजेंडे का मंच बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के नाम पर ऐसे विदेशी प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया, जिनका अतीत भारत के राष्ट्रीय हितों, नीतियों और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के विरोध से जुड़ा रहा है। कांग्रेस ने इस आयोजन के माध्यम से भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करने और दुनिया के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास किया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने सम्मेलन का नाम 'भारत समिट' रखा, लेकिन वहां भारत विरोधी विचारों को अभिव्यक्ति देने का अवसर प्रदान किया। भारत में भारतीय प्रधानमंत्री के खिलाफ विदेशी प्रतिनिधियों व कांग्रेसियों द्वारा लगाये गये नारे दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह विडंबना ही है कि जिस देश ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, उसी देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी विदेशी प्रतिनिधियों के साथ मिलकर भारत की छवि खराब करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन, आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है, लेकिन कांग्रेस को देश की यह उपलब्धियां रास नहीं आ रही हैं।

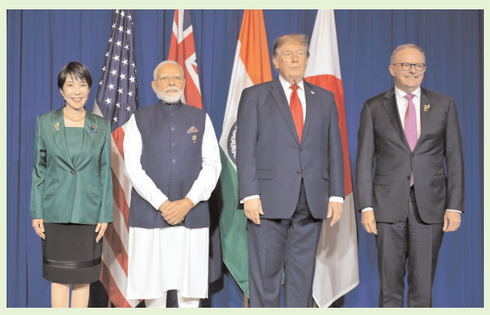
दुनिया को शांति, स्थिरता और भरोसे की जरूरत, विकसित भारत 2047 और आसियान विजन 2045 साझा भविष्य की मजबूत नींव- मोदी



मनीला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने लगातार कई संकटों का सामना किया है। आज दुनिया को सबसे ज्यादा शांति, स्थिरता और भरोसेमंद माहौल की जरूरत है। ऐसे में इस वर्ष की थीम 'हम सब मिलकर अपने भविष्य की राह तय करें' विशेष महत्व रखती है। आने वाले वर्षों में आसियान कम्युनिटी विजन 2045 और विकसित भारत 2047 हमारी साझा आकांक्षाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास सामर्थ्य भी है और संकल्प भी जिससे हम आपसी भागीदारी को नई दिशा दे सकते हैं। हमारा मानना है कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 12 वर्षों में हमने अपनी साझेदारी को नई गति दी है। अब हमें मिलकर अपने क्षेत्र के भविष्य के लिए नई दिशा तय करनी होगी। आसियान की एकता और इस साझेदारी में उसकी केंद्रीय भूमिका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अटूट है और आगे भी बनी रहेगी। मुझे विश्वास है कि आज की यह बैठक हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और एक सुरक्षित, समावेशी तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में योगदान देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने भारत-आसियान संबंधों को नई गति और गहराई दी है। हमारी साझेदारी अब साझा संस्कृति और विरासत से आगे बढ़कर डिजिटल, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी नए आयाम हासिल कर चुकी है। वर्ष 2014 से अब तक लोगों के बीच संपर्क मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की गई हैं, करीब 250 क्विक इंपैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और कौशल विकास के लिए 10 हजार से अधिक छात्रवृत्तियां दी गई हैं। आज भारत और आसियान के 9 देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन हमारे मजबूत संबंधों का प्रमाण हैं।

ट्रंप ने फिर की मोदी की तारीफ, बताया 'बहुत सख्त इंसान'

मनीला (फिलीपींस) (एजेंसी) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बार फिर तारीफ की। ट्रंप ने उन्हें 'बहुत सख्त इंसान' बताया। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची उनसे भी ज्यादा सख्त हो सकती हैं। ट्रंप ने कहा कि हम भी ठीक हैं। ट्रंप ने यह बात क्वाड देशों के नेताओं के साथ बैठक से मीडिया से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा, इन नेताओं और उनके देशों के साथ अमेरिका के अच्छे संबंध हैं। ये संबंध शुरुआत से ही अच्छे रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह इन तीनों नेताओं को लंबे समय से जानते हैं। वे शानदार लोग हैं। वे उनके दोस्त हैं। ट्रंप ने कहा, पिछला साल हमारे लिए काफी अच्छा रहा। क्वाड को फिर से सक्रिय करने और आपसी सहयोग की दिशा में लगातार काम हुआ है। हमारी दोस्ती भी पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है। हम सभी दोस्त हैं। इस तरह काम करना काफी आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, ये देश पूरी दुनिया की सबसे अहम साझेदारों में शामिल हैं। हम दुनिया के सबसे सफल देशों में से हैं। कुछ मामलों में हम दुनिया के सबसे सफल देशों में शामिल हैं। वहीं, कुछ मामलों में दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में भी गिने जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हमारे देश एक स्वतंत्र, खुले, स्थिर और सबसे समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के चार मजबूत स्तंभ हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक कूटनीति से जुड़े मुद्दों पर हम एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं। क्वाड देशों के नेताओं को



संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

हम एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड समूह दुनिया की सबसे सफल साझेदारियों में से एक है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा, मनीला और क्वाड के बीच एक पुराना और विशेष संबंध रहा है। 2007 में, चारों देशों के अधिकारी पहली बार यहीं मिले थे। इसके दस साल बाद, 2017 में, इसी शहर में हमने फिर से अपनी बातचीत शुरू की थी। और आज, इस ऐतिहासिक शहर में एक बार फिर क्वाड की बैठक होना एक उपलब्धि है। उन्होंने पिछले एक साल में लगातार जारी राजनयिक बातचीत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले साल जनवरी से अब तक क्वाड देशों के विदेश मंत्री पांच बार मिल चुके हैं।

धोनी का नया अवतार, अब सीएसके को देंगे गुरु मंत्र



चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी।

अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं।

इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं। उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।

श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, 2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।

गोपाष्टमी पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया गौ पूजन, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की कामना



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गोपाष्टमी के पावन अवसर पर मंगलवार को जयपुर के सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला तथा जोतड़ावाला स्थित बाबा संत रामकरणदास जी महाराज एवं गुरुदेव संत परमसुखदास जी महाराज आश्रम गोशाला पहुंचकर सपत्नीक गौ माता का विधि-विधान से पूजन किया। मुख्यमंत्री ने गौ माता को गुड़ एवं रोटी खिलाई तथा आरती उतारकर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने पिंजरापोल गोशाला में भगवान श्रीकृष्ण एवं प्रतीकात्मक गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने जोतड़ावाला स्थित आश्रम में संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही, राधा-कृष्ण मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और भजन-कीर्तन का श्रवण भी किया।

इस दौरान आमजन ने मुख्यमंत्री का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। वहीं, मुख्यमंत्री ने भी बुजुर्गों, महिलाओं एवं युवाओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उन्हें गोपाष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

उत्तराखंड में मौत बनकर दौड़े वाहन, दो हादसों में 14 की मौत

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। यात्रियों के मुताबिक, बस की रफ्तार काफी तेज थी। उन्होंने कई बार ड्राइवर से स्पीड कम करने को कहा, लेकिन उसने उनकी बात नहीं मानी। दूसरा हादसा रूद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां पोखरी से शादी समारोह से लौट रही बारातियों की बोलेरो गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हुए हैं। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर गूलर के पास हुए दर्दनाक बस हादसे से पहले यात्रियों को खतरे का अंदेशा हो गया था। बस में सवार लोगों ने ड्राइवर को दो से तीन बार रफ्तार कम करने के लिए कहा था,



लेकिन इसके बावजूद बस तेज गति से दौड़ती रही। हादसे में घायल यात्री पंकज ने आपबीती सुनाते हुए यह दावा किया है। इसके कुछ देर बाद बस करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हुए हैं। ऋषिकेश-बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह हुआ बस हादसा इतना भयावह था कि रेस्क्यू के दौरान घटनास्थल का मंजर देखकर बचावकर्मी भी सन्न रह गए। नीचे गिरते समय बस रास्ते में पेड़ों और बड़े-बड़े पत्थरों से टकराती चली गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 3 यात्रियों के शव बस से उछलकर बाहर जा गिरे, जबकि 5 शव बस के अंदर फंसे मिले।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए सभी को मिलकर मुकाबला करना होगा : गहलोत

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वर्तमान समय में उनकी नजर में पार्टी की सेवा करने का मतलब देश की सेवा करना है। देश में लोकतंत्र की रक्षा करना जरूरी है, क्योंकि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की लोकतांत्रिक व्यवस्था में आस्था नहीं है। यदि देश में वोटों के माध्यम से सरकार चुनने की व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है तो सभी को मिलकर इन ताकतों का मुकाबला करना होगा। दिल्ली से लौटने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में गहलोत ने सोनिया गांधी की किताब में अपने उल्लेख को लेकर कहा कि किताब में उनके बारे में कोई अलग अध्याय नहीं है। सोनिया गांधी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया है कि वह उन्हें पहले से जानती थीं। राजीव गांधी के दौरों के दौरान भी



उनका संपर्क रहा था और इंदिरा गांधी के समय से ही उनकी पहचान थी। बाद में उनके मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने तक के सफर का उल्लेख सोनिया गांधी ने अपनी भावनाओं के रूप में किया है। इसका कोई अलग अर्थ निकालने की जरूरत नहीं है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास उपलब्ध कराने की पैरवी करते हुए गहलोत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री को सेवानिवृत्ति के बाद टाइप-8 बंगला मिलता है। उन्होंने कहा कि धनखड़ को पद छोड़े दो साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन उनके आवास को लेकर कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। उन्हें किसी मित्र के फार्म हाउस में रहना पड़ रहा है, जो उचित नहीं है। प्रधानमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की इच्छा देश-विदेश से आने वाले लोगों की रहती है। प्रवासी भारतीय भी उनसे मुलाकात करना चाहते हैं। ऐसे में पूर्व उपराष्ट्रपति के पद की गरिमा के अनुरूप उन्हें आवास और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जगदीप धनखड़ को राज्यपाल और फिर उपराष्ट्रपति भाजपा सरकार ने बनाया था, इसलिए उन्हें उचित सुविधाएं उपलब्ध कराना भी सरकार की जिम्मेदारी है। राजस्थान और दिल्ली की राजनीति में अपनी सक्रियता को लेकर चल रही चर्चाओं पर गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बनने की चर्चाएं वह पिछले तीन साल से सुन रहे हैं। फिलहाल वह न तो राजस्थान में और न ही दिल्ली में किसी पद को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी पद पर रहें या नहीं, उनकी दिल से इच्छा राजस्थान की जनता की सेवा करने की है। राजस्थान के लोगों से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहेगा। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान का फैसला उनके लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है और आगे भी रहेगा। पार्टी जहां जो जिम्मेदारी देगी, उसे निभाने से वह पीछे नहीं हटेंगे। पार्टी ने 55 वर्षों तक उन पर विश्वास जताया और विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी, जिसे उन्होंने निभाया है। इसलिए पार्टी के लिए काम करना उनका कर्तव्य है।

कविताओं के रंगों से सजी जयपुर स्थापना दिवस की शाम

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी जयपुर के 299वें स्थापना दिवस समारोह के तहत मंगलवार को बिरला ऑडिटोरियम में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। राज्यपाल हरि भाऊ बागड़े और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि जयपुर का 299 वर्षों का गौरवशाली इतिहास केवल स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों और विकास की गाथा ही नहीं है, बल्कि यह साहित्य, संस्कृति, कला और भारतीय परंपराओं की समृद्ध विरासत का भी प्रतीक है। जयपुर ने सदैव अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान से देश-दुनिया में विशेष स्थान बनाया है।

यहां की साहित्यिक परंपरा और सांस्कृतिक चेतना हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों ने अपनी सशक्त, भावपूर्ण, ओजस्वी एवं हास्य-व्यंग्य से परिपूर्ण काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा सभागार कविता, साहित्य और शब्दों की भावनात्मक अभिव्यक्ति से सराबोर नजर आया। कवियों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उत्साहपूर्वक अपनी सराहना व्यक्त की।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संरक्षक - स्व. श्री विश्वकुमार जी डिडवी

मंहगाई के कारण आम आदमी की मुश्किलें बरकरार

वर्तमान में स्थायी रोजगार के अभाव और महंगाई से त्रस्त जनता को देखते हुए इन उत्साहजनक आंकड़ों के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है तो आम नागरिक का जीवन आर्थिक रूप से आसान होने के बजाय कठिन क्यों होता जा रहा है? विकास दर में वृद्धि और आम आदमी की आर्थिक खुशहाली के बीच दिखाई देने वाला यह अंतर गंभीर विचार-विमर्श की मांग करता है। इन उपलब्धियों के उत्साह में उन चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जो आज भी हमारे सामने मौजूद हैं। वर्ष 2026 के वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 122 देशों में भारत का 100वां स्थान इस बात की याद दिलाता है कि आर्थिक विकास अपने आप पर्याप्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की गारंटी नहीं देता। विश्व बैंक की रिपोर्ट भी लगातार बनी हुई आर्थिक असमानताओं की ओर संकेत करती है। मजदूरी में असमानता अब भी बनी हुई है। सरकारी नौकरियों के लिए लंबी कतारें देश में रोजगार की स्थिति को दर्शाती हैं। नियमित वेतन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और अपेक्षाकृत स्थायी रोजगार की संभावना युवाओं को सरकारी नौकरियों की ओर आकर्षित करती है। युवाओं की परेशानी केवल नौकरी न मिलने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके माता-पिता ने जीवनभर की बचत उनकी शिक्षा पर खर्च की होती है। इसके बावजूद जब उन्हें योग्यता के अनुरूप सुरक्षित रोजगार नहीं मिलता तो परिवारों में निराशा बढ़ती है। जीडीपी देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य में वृद्धि को मापती है, लेकिन यह नहीं बताती कि इस अतिरिक्त आय का वितरण समाज के विभिन्न वर्गों के बीच किस प्रकार हुआ है। यह भी जरूरी नहीं कि उत्पादन बढऩे के अनुपात में रोजगार के अवसर बढ़ें। पूंजी प्रधान उद्योगों और तकनीक आधारित गतिविधियों से उत्पादन तथा कंपनियों का मुनाफा तेजी से बढ़ता है, लेकिन उनमें प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन अपेक्षाकृत कम होता है।

यदि कंपनियों के मुनाफे में तेजी से वृद्धि हो और कर्मचारियों के वेतन में अपेक्षित सुधार न हो तो आर्थिक विकास का लाभ सीमित वर्ग तक सिमटकर रह जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में महंगाई आम आदमी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के अक्टूबर 2026 के अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू बजट प्रभावित होता है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन, किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर खर्च हो जाता है।

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि उनके घरेलू बजट को असंतुलित कर देती है। आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को समझने के लिए उनकी घटती बचत और बढ़ती कर्ज निर्भरता पर भी ध्यान देना आवश्यक है। क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार जिन लोगों ने गोल्ड लोन लिया है उनमें से 20 प्रतिशत वो लोग हैं जिनका पर्सनल लोन विलंबित है। पांच में से एक गोल्ड लोन उधार लेने वाला जेन जेड है जिन्होंने अपने माता-पिता के गोल्ड की एब्स में उधार लिया है। गोल्ड लोन वे लोग ले रहे हैं जो पहले खुशहाल स्थिति में थे। यदि परिवार अपनी नियमित जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने लगें तो यह घरेलू आर्थिक दबाव का संकेत हो सकता है। बचत में कमी और कर्ज पर बढ़ती निर्भरता भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी बढ़ती जीवनयापन लागत, सार्वजनिक सेवाओं पर खर्च में कमी और आर्थिक असमानता के विरुद्ध लोगों का असंतोष सामने आ रहा है। आम नागरिक यदि स्थिर आय के अभाव, बढ़ती कीमतों और असुरक्षित रोजगार के बीच संघर्ष करता रहे तो ऊंची विकास दर उसके लिए अपेक्षित खुशहाली का आधार नहीं बन सकती। इसलिए सरकार की प्राथमिकता केवल जीडीपी वृद्धि की गति बनाए रखने के साथ-साथ स्थायी रोजगार सृजन, कृषि क्षेत्र की मजबूती, महंगाई पर नियंत्रण, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और आम नागरिक की बचत बढ़ाने की भी होनी चाहिए। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जो अधिक रोजगार पैदा कर सकें। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध करवाना और छोटे उद्यमों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना भी जरूरी है। अंतत: आर्थिक विकास की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि देश की जीडीपी कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि इससे भी कि आम आदमी की आय कितनी बढ़ी, उसे कितना सुरक्षित रोजगार मिला, उसकी बचत में कितना सुधार हुआ और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़ तथा पेयजल जैसी सुविधाएं कितनी बेहतर मिलीं। राष्ट्रीय समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक विकास की चमक देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लेकर आए। एक समस्या यह है कि गरीब और अमीर में अंतर बढ़ता जा रहा है।

299वें जयपुर स्थापना दिवस पर बिरला ऑडिटोरियम में सजी काव्य रसधारा, देशभर के कवियों ने बांधा समां



जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी जयपुर के 299वें स्थापना दिवस समारोह के तहत मंगलवार को बिरला ऑडिटोरियम में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देशभर से आए ख्यातनाम कवियों एवं कवयित्री ने अपनी शानदार काव्य प्रस्तुतियों से सभागार को साहित्यिक रंगों से सराबोर कर दिया। हास्य, व्यंग्य, ओज और वीर रस से सजी कविताओं ने कभी श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर किया तो कभी राष्ट्रप्रेम और वीरता के भावों से भावविभोर कर दिया। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इससे पूर्व महापौर सुनील कोठारी एवं उपमहापौर श्रीमती सरोज कंवर ने पार्षदों के साथ मोती डूंगरी गणेश जी को निमंत्रण अर्पित किया। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती प्रतिभा शर्मा, श्रीमती जयश्री गर्ग, श्रीमती कविता शर्मा, गिर्राज शर्मा, सुभाष संघी सहित अन्य पार्षद गण एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध वीर रस के कवि हरिओम पंवार (मेरठ), लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि एहसान कुरैशी (मुंबई), दिनेश रघुवंशी (फरीदाबाद), सुरेश अलबेला (कोटा), प्रियांशु गजेंद्र (बाराबंकी), राव अजातशत्रु (उदयपुर) एवं कवयित्री दिपिका माही (चित्तौड़गढ़) ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संयोजन एकेश पार्थ ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े द्वारा किया गया इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, विधायक कालीचरण शर्मा, गोपाल शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अन्य गणमान्य लोग एवं जनप्रतिनिधीगण मौजूद रहे कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, देशभक्ति, जीवन मूल्यों, समसामयिक विषयों और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। हास्य-व्यंग्य की रचनाओं पर दर्शक खूब खिलखिलाए, वहीं ओज एवं वीर रस की कविताओं ने श्रोताओं में जोश और राष्ट्रप्रेम का संचार किया। कवियों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने स्थापना दिवस समारोह को यादगार बना दिया। उल्लेखनीय है कि जयपुर के 299वें स्थापना दिवस के अवसर पर नगर निगम जयपुर की ओर से 17 एवं 18 नवम्बर को दो दिवसीय समारोह आयोजित किया जा रहा है। समारोह का शुभारंभ मंगलवार प्रात: मोती डूंगरी गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य भगवान गणेश को निमंत्रण अर्पित कर किया गया। वहीं शहर के प्रमुख ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों पर शहनाई वादन के माध्यम से स्थापना दिवस का उत्सवी माहौल बनाया गया। समारोह के दूसरे दिन बुधवार, 18 नवम्बर को प्रात: 9:30 बजे गंगापोल दरवाजे पर गणेश पूजन तथा प्रात: 10:30 बजे गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन एवं पूजन का कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं सायं 5 बजे स्टेच्यू सर्किल पर भव्य दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम के साथ जयपुर स्थापना दिवस का उत्सव रोशनी और उल्लास के बीच मनाया जाएगा।

राज्यपाल हरि भाऊ बागड़े और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि जयपुर का 299 वर्षों का गौरवशाली इतिहास केवल स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों और विकास की गाथा ही नहीं है, बल्कि यह साहित्य, संस्कृति, कला और भारतीय परंपराओं की समृद्ध विरासत का भी प्रतीक है। जयपुर ने सदैव अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान से देश-दुनिया में विशेष स्थान बनाया है। यहां की साहित्यिक परंपरा और सांस्कृतिक चेतना हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों ने अपनी सशक्त, भावपूर्ण, ओजस्वी एवं हास्य-व्यंग्य से परिपूर्ण काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा सभागार कविता, साहित्य और शब्दों की भावनात्मक अभिव्यक्ति से सराबोर नजर आया। कवियों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उत्साहपूर्वक अपनी सराहना व्यक्त की। इस मौके पर सुप्रसिद्ध वीर रस के कवि हरिओम पंवार (मेरठ), लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि एहसान कुरैशी (मुंबई), दिनेश रघुवंशी (फरीदाबाद), सुरेश अलबेला (कोटा), प्रियांशु गजेंद्र (बाराबंकी), राव अजातशत्रु (उदयपुर) एवं कवयित्री दिपिका माही (चित्तौड़गढ़) ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संयोजन एकेश पार्थ ने किया।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा: समयबद्धता से पूर्ण हों विद्युत परियोजनाएं- ऊर्जा मंत्री



जयपुर (कासं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। ऐसे में यह जरूरी है कि विद्युत उपलब्धता की दृष्टि से महत्वपूर्ण उत्पादन एवं विद्युत तंत्र के सदृढ़ीकरण की परियोजनाओं को समयबद्धता से पूर्ण किया जाए। नागर मंगलवार को विद्युत भवन में प्रदेश में विद्युत उपलब्धता, आगामी रबी सीजन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति की तैयारियों, किसानों को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति, पीएम कुसुम, आरडीएसएस, पीएम सूर्यघर सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को दें गति— प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाओं की प्रगति पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सौर और पवन ऊर्जा के प्रभावी उपयोग तथा पीक आवर्स में ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने के लिए बैटरी स्टोरेज प्रणाली महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित निगमों को भूमि आवंटन, निविदा प्रक्रिया और निर्माण कार्यों में तेजी लाकर प्रोजेक्ट्स को निर्धारित लक्ष्य की समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नागर ने पम्प स्टोरेज परियोजनाओं में भी लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीक डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं तथा पम्प स्टोरेज परियोजनाओं को विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने अक्षय ऊर्जा निगम, उत्पादन निगम तथा वितरण निगमों द्वारा विकसित किए जा रहे बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्टों की समीक्षा की।

रबी सीजन में किसानों को निर्बाध आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता— आगामी रबी फसल सीजन की तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सिंचाई के समय किसानों को बिना किसी व्यवधान के पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि फीडरों के रखरखाव, ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता और लोड प्रबंधन की सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि रबी सीजन में ट्रिपिंग या वोल्टेज की समस्या उत्पन्न न हो।

फीडर सेग्रीगेशन कार्यों की समीक्षा— ऊर्जा मंत्री ने आरडीएसएस योजना में किए जा रहे कृषि और घरेलू फीडरों के पृथक्करण और विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फीडर सेग्रीगेशन का कार्य जल्द पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध और किसानों को निर्धारित ब्लॉक में गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सकेगी। उन्होंने फीडर सेग्रीगेशन कार्यों में धीमी प्रगति हासिल करने वाले संवेदकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

प्रसारण तंत्र को दें मजबूती— ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए राजस्थान में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के अन्तर्गत नई ट्रांसमिशन लाइनों तथा ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण पर हम तेजी से काम कर रहे हैं। इससे राज्य में उत्पादित अक्षय ऊर्जा का उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। बैठक में ऊर्जा विभाग की शासन सचिव सुश्री आरती डोगरा ने विभिन्न परियोजनाओं में प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 28 जिलों में किसानों को दिन में दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अजमेर डिस्कॉम प्रदेश का पहला ऐसा वितरण निगम है जहां सभी जिले दो ब्लॉक सप्लाई से जुड़ चुके हैं।

इसी प्रकार जयपुर डिस्कॉम के शेष 4 जिलों सवाई माधोपुर, कोटपूतली-बहरोड़, बारां और अलवर में भी किसानों को दो ब्लॉक सप्लाई से जोड़ने के लिए 33 केवी के 28 नए जीएसएस तैयार किए जा रहे हैं। अक्षय ऊर्जा निगम के सीएमडी रोहित गुप्ता, ऊर्जा विकास निगम के एमडी शिवप्रसाद नकाते, अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल तथा उत्पादन निगम के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी ने भी परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। ऊर्जा विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती नित्या के तथा सभी विद्युत निगमों के निदेशक तकनीकी एवं निदेशक ऑपरेशन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान उपस्थित रहे।

देवनानी ने अपने निवास और स्वामी टेऊराम गौशाला में किया गौ पूजन

गौमाता में 33 करोड देवी-देवताओं का वास- देवनानी



जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी गोपा अष्टमी महोत्सव के पावन अवसर पर मंगलवार को मांग्यावास स्थित स्वामी टेऊराम गौशाला पहुंचे। उन्होंने वहां गौमाता के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा गौशाला में आयोजित आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता की। देवनानी ने संत भगत प्रकाश का आशीर्वाद लिया। संतों ने देवनानी का शॉल ओढाकर सम्मान किया। देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का स्थान अत्यंत पूजनीय रहा है। हमारी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना गया है। देवनानी ने कहा कि गोपा अष्टमी भगवान श्रीकृष्ण की गौसेवा, गौरक्षा और गोपालन के आदर्शों का स्मरण कराने वाला पावन पर्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के माध्यम से गौसेवा को लोकमंगल, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और समस्त जीवों के प्रति करुणा से जोड़ा। गौमाता भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि परंपरा और हमारी सांस्कृतिक आस्था का अभिन्न अंग रही हैं।

देवनानी ने कहा कि भारतीय परंपरा में गाय का महत्व धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है अपितु उसका ग्रामीण जीवन, पर्यावरण और दैनिक व्यवहार में भी विशिष्ट स्थान रहा है। प्राचीन समय से घरों के आंगन एवं फर्श को गोबर से लीपने की परंपरा रही है। इसे घर की स्वच्छता एवं शुद्धता से जोड़कर देखा जाता रहा है। गोबर का उपयोग जैविक खाद तथा प्राकृतिक संसाधन के रूप में भी किया जाता है। इसी प्रकार गोमूत्र का पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग होता आया है। इन पारंपरिक उपयोगों और मान्यताओं के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रमाण-आधारित अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। देवनानी ने कहा कि गौसेवा हमारी धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक दायित्व भी है। गौवंश का संरक्षण, संवर्धन और उनकी समुचित देखभाल समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। गौशालाएं इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग को गौसेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। देवनानी ने स्वामी टेऊराम गौशाला द्वारा गौसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा प्रकल्प भारतीय संस्कृति के मूल्यों को व्यवहार में प्रतिष्ठित करते हैं। उन्होंने गोपा अष्टमी के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए गौमाता के संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

स्पीकर देवनानी ने गोपाष्टमी पर निवास पर किया गौमाता का पूजन- वासुदेव देवनानी ने गोपाष्टमी के पावन अवसर पर अपने राजकीय निवास पर विधि-विधान से गौमाता का पूजन किया। उन्होंने गौमाता को तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा गौमाता को गुड और हरा चारा खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का स्थान अत्यंत पूजनीय है। गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण की गोसेवा एवं गोपालन के आदर्शों का स्मरण कराने वाला पावन पर्व है। गौसेवा हमारी सनातन परंपरा, करुणा और लोककल्याण की भावना का प्रतीक है। उन्होंने सभी से गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

निराश्रित एवं वंचित बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना मानवता की सर्वोच्च सेवा-देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को सुरमन संस्थान की 27वीं वर्षगांठ पर आयोजित विशेष संदेशात्मक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन जरूरतमंद और वंचित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता से होती है। निराश्रित, उपेक्षित एवं वंचित बच्चों को सुरक्षा, शिक्षा, स्नेह और सम्मान प्रदान कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना पुनीत मानवीय दायित्व है। प्रत्येक बच्चे को गरिमापूर्ण जीवन जीने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा विकसित करने के समान अवसर मिलने चाहिए। देवनानी ने कहा कि बचपन किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर है। जिन बच्चों को विपरीत परिस्थितियों के कारण परिवार और समाज का अपेक्षित संरक्षण नहीं मिल पाता, उनके जीवन में आशा, विश्वास और आत्मनिर्भरता का संचार करना हम सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति और संस्थान को ऐसे बच्चों के भविष्य निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सुरमन संस्थान द्वारा 27 वर्षों से निराश्रित एवं उपेक्षित बच्चों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। संस्थान द्वारा अब तक 750 से अधिक बच्चों का पुनर्वास किया जाना तथा वर्तमान में 125 से अधिक बच्चों के पुनर्वास के लिए प्रयासरत रहना सराहनीय सेवा कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थागत प्रयास समाज में संवेदनशीलता, सामाजिक सहभागिता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के सहयोगार्थ पोस्टर पर देवनानी ने हस्तचिह्न अंकित किए, साथ ही गुब्बारे छोड़कर बच्चों के प्रति स्नेह, संवेदना और सहयोग का संदेश प्रसारित किया । देवनानी ने कहा कि बच्चों के प्रति संवेदना किसी एक दिन अथवा आयोजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनके सुरक्षित भविष्य, शिक्षा, संरक्षण और सम्मानजनक जीवन के लिए निरंतर सामाजिक सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सुरमन संस्थान के पदाधिकारियों एवं इस सेवा कार्य से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

- प्रोटीन युक्त खाना खाएं। अंडा, हरी सब्जियां, फल, दही या दूध और मसूर की तेल को अपनी डेली डाइट का हिस्सा बनाएं। और हां, ज़्यादा से ज़्यादा पानी पिना ना भूलें।
- अपने बालों को रेगुलरली शैम्पू और कंडीशनर से धोएं। हो सके तो बेबी शैम्पू का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये काफी माइल्ड होता है। बालों को रिहाइड्रेट और मज़बूती देने के लिए शैम्पू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें, लेकिन इसे स्कैल्प पर कभी ना लगाएं।
- हर्बल का इस्तेमाल करें। इसमें थोड़ा समय लगेगा लेकिन बालों के लिए ये काफी फायदेमंद होगा। आंवला, रीठा और शिकाकाई को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इसे स्कैल्प पर लगाएं और मसाज करें। 30 मिनट बाद इसे धो लें। एक महीने तक हफ्ते में 3 बार ऐसा करें। ये आपके बालों को बढने में मदद करेंगे। इसके अलावा एक कप आंवला जूस में 3 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और स्कैल्प पर लगाएं। 30 मिनट बाद इसे नॉर्मल पानी से धो लें।
- शैम्पू की जगह हर्बल शैम्पू इस्तेमाल करने की कोशिश करें। 15-20 करी पत्ते, एक नींबू का छिलका, 3 चम्मच शिकाकाई पाउडर, 2 चम्मच मेथी और 2 चम्मच साबूत मूंग लें। इन्हें अच्छी तरह पीस लें और स्टोर करें। शैम्पू या साबुन की जगह बाल को धोने के लिए इस मिक्सचर का इस्तेमाल करें।
- कम होते बाल को बढ़ाने के लिए 2 चम्मच नारियल तेल और 1-1 चम्मच आंवले का रस और नींबू का रस मिलाएं। इसे हर रोज़ सोने से पहले अपने बालों पर लगाएं।
- बालों के लिए नैचुरल कंडीशनर का इस्तेमाल करें। ऑलिव ऑयल को थोड़े शहद के साथ मिलाएं और बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए इसे छोड़ दें और फिर माइल्ड शैम्पू से बालों को धो लें।
- पावर पैक का करें इस्तेमाल। 2-3 चम्मच मेथी के दाने लें और 10 घंटे के लिए इन्हें पानी में भिगों कर रखें। अब इन्हें पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें 2 चम्मच कॉकोनट मिल्क मिलाएं। इस पेस्ट को अपने बाल और स्कैल्प पर लगाएं। 30 मिनट के बाद गुनगुने पानी से इसे धो लें। मोटे और घने बाल पाने के लिए इसे हफ्ते में एकबार लगाएं।

क्या बालों के गिरने से हैं परेशान?



क्या आपको वो ख्ला देने वाला पल याद है जब आमतौर पर दिखने वाले बालों की संख्या से ज़्यादा बाल कंघी या ब्रश में देखती हैं? या नहाते समय आपको बाथरूम में गिरे हुए बाल दिखते हैं। बालों का गिरना आम सी बात हो गई। तनाव, हार्मोन्स में बदलाव, मेडिकेशन ये कुछ ऐसी वजहे हैं जिनसे बाल गिरते हैं। इसके अलावा खाने में विटामिन ळ1, ळ2, भ और आयरन की कमी भी इसकी वजह है, इसलिए खाने में इनकी कमी को कभी नजऱअंदाज़ ना करें। कलरिंग और रिबॉन्डिंग जैसे केमिकल

बनना है आकर्षण का केन्द्र तो अपनाइए...



अपनी व्यस्त दिनचर्या के चलते आप अपने परिवार को पूरा समय नहीं दे पाती हैं। ऐसा नहीं है कि आप ऐसा चाहकर करती हैं लेकिन बढते काम के बोझ से आप ऐसा नहीं कर पाती हैं। फिर भी आपकी इच्छा है कि आप अपने परिवार को अपना समय दे तो फिर सोचना क्या है। आपके लिए कुछ ऐसी बातें जिन्हें अपनाकर आप अपनी इच्छानुसार परिवार को अपना समय दे सकती हैं।

- सबसे पहले अपनी सासू मां का विशेष ख्याल रखने का विचार मन में लाकर उनकी सेवा करने का प्रयास करें। इससे आप पूरे परिवार की चहेती बन जाएंगी। समय निकाल कर उनके लिए उनकी पसन्द के वस्-ों का जोडा लाइए फिर देखिए कमाल।
- अपनी दादी मां को उनकी पसंद का संगीत पूछें साथ ही उन्हीं के मनपसंद के गाने सुनवाएं।
- अगर आप कामकाजी महिला हैं लेकिन आपका वजन ज्यादा है जिसकी वजह से आप अपने सहकर्मियों में आकर्षण का केन्द्र नहीं हैं तो कुछ खास नहीं करना है सिर्फ व्यायाम का सराहा लें या फिर जिम ज्वाइन करें। इससे आपका बेढौल शरीर सुढौल हो जाएगा और आप लोगों के मध्य आकर्षण का केन्द्र बन जाएंगी। साथ ही दुबला पतला होने से आपको कई कामों को करने के लिए समय मिलेगा। इसके साथ ही आप चुस्त दुरूस्त नजर आएंगी।



- 1 दिन कामवाली को छुट्टी दे दें और इस दिन घर के कामों में पति व बच्चों की मदद लें और उन्हें अच्छे से बताएं कि व्यक्ति का आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी होता हैं।
- रविवार के दिन अपनी कपडों की अलमारी की सफाई करें, पुराने कपड़ों को जिन्हें आप नहीं पहन रही हों उन कपडों को किसी जरूरत मंद को दे दें।
- किसी दिन ऑफिस से जल्दी आये शाम को टैरेस पर अपनी सारी सहेलियों को बुलाएं और थ्री स्टैप पार्टी का आयोजन करें, पहले स्टैप में गपशप करें किसी अन्य विषय पर चर्चा करें, दूसरे स्टैप में कुछ मस्ती या डांस करें, तीसरे और लास्ट में कोई अच्छी सी खाने की नई चीज सीखी हो उसे बनाकर सब सहेलियों को खिलाएं।
- पति के लंच बॉक्स में एक आई लव यू की सरप्राइज स्लिप रख दें।
- पड़ोसियों से आप की नहीं बनती हो तो एक दिन उनसे जाकर मिलें। उन्हें अच्छे से समझाएं कि विरोधाभास तो भाई और बहनों के बीच तक हो जाता है। इससे मन को खराब करने की जरूरत नहीं, आप उनसे मेल जोल बढ़ाएं।
- अपने पति के दोस्तों के साथ सरप्राइज पार्टी दें। कुछ चटपटी सी डिश बनाएं।
- प्यार को संक्रामक बीमारी की तरह फैलाने का संकल्प लें। हर किसी पर बड़बड़ाने की जरूरत नहीं।
- अपनी सखियों के साथ नियम बना लें कि कालोनी में प्रतिमाह एक पौधा जरूर लगाएं और अपनी कालोनी को हरी-भरी हो जाने के बाद दूसरी कॉलोनियों में भी इसी काम को अंजाम दें। इससे न सिर्फ आपका सर्किल बढ़ेगा वरन आपको एक स्थायी पहचान मिलेगी और न कटने वाला समय भी आराम से कट जाएगा।



अच्छा बैग खरीदना

अपनी पर्सनैलिटी से मैच करता हुआ बैग खरीदें। लेदर आपको लग्ज़रीअस और क्लासी फील तो देते हैं लेकिन इन्हें मैंटेन करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन दूसरी तरफ जूट, कैनवास और कॉटन जैसे मटेरिअल आपको ट्रेंडी और फंकी लुक देते हैं और इन्हें मैंटेन करना भी बेहद आसान होता है।

बैग खरीदना और एक अच्छा बैग खरीदना, दोनों दो अलग-अलग बाते हैं. यकीनन आपका हर रोज़ के स्ट्रीट शॉपिंग का बैग आपकी ज़रूरत को पूरा करने में कोई कमी नहीं रखता है, लेकिन हम इस बात से भी नहीं मुकर सकते कि अच्छे मटेरिअल से बने बैग पर ना हमें गर्व होता है, बल्कि बड़े शान से इसे हम सभी को दिखाते भी हैं. इसलिए इनकी जगह कोई नहीं ले सकता है. अपने सपनों को बैग खरीदना उतना ही मुश्किल काम है जितना अपने सपनों के राजकुमार को ढूंढना, खासकर तब जब आपके पास कई ऑप्शन्स मौजूद हो और इनके उच्चे दामों को देखकर इसे खरीदने से पहले आपको दो बार सोचना पड़ता है. अगर आप भी इसी दुविधा का शिकार हैं तो हम आपको इस उलझन से निकालेंगे. अगली बार जब आप बैग

मटेरियल को परखें

बैग बनाने वालों ने मटेरिअल के लिहाज से कई नए-नए प्रीमिअर बैग तैयार कर रहें हैं। अब सिर्फ लेदर बैग नहीं, बल्कि रेक्सिन (फॉक्स लेदर), जूट, कैनवास, कॉटन, नीयोप्रिन और स्वेड (रोएंदार लेदर) से बने बैग का भी काफी बोल-बाला है। इन मटेरिअल का इस्तेमाल ना सिर्फ प्रीमिअम, बल्कि लग्जऱी ब्रैंड्स भी कर रहे हैं। अपनी पर्सनैलिटी से मैच करता हुआ बैग खरीदें। लेदर आपको लग्जऱीअस और क्लासी फील तो देते हैं लेकिन इन्हें मैंटेन करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन दूसरी तरफ जूट, कैनवास और कॉटन जैसे मटेरिअल आपको ट्रेंडी और फंकी लुक देते हैं और इन्हें मैंटेन करना भी बेहद आसान होता है। सटीन जैसे मटेरिअल से दूर ही रहें (यहां क्लिक करें और जाने कैसे बचायें अपने लेदर प्रोडक्ट्स को)

साइज़ का रखें ख्याल

बैग का साइज़ आपकी बॉडी की तुलना में कैसा है, ये काफी मायने रखता है। अगर आप लंबी-चौड़ी हैं तो छोटे साइज़ वाले बैग्स ना खरीदें और अगर आप छोटी कद-काठी की हैं तो लंबे बैग्स से दूर रहें। ज़रूरत से ज़्यादा भरा हुआ बैग देखने में ना सिर्फ गंदा लगेगा, बल्कि अंदर से भी बैग को खराब कर देगा, इसलिए बैग खरीदने से पहले एक बार इसे अपने बॉडी पर एडजस्ट करके देख लें और साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित कर लें कि क्या वो बैग आपके ज़रूरत के सामान को कैरी करने के लिए काफी है ना। जैसा कि आप वैसे किसी भी रिश्ते में नहीं बंधती जिसके लिए आप दिल और दिमाग दोनों गवाही ना दे, ठीक वैसे ही बैग खरीदने से पहले आप इन दोनों बातों का खास ध्यान रखें, अगर वो बैग आपकी बॉडी और ज़रूरत दोनों पैमाने पर खरा नहीं उतरता तो उसे ना खरीदें।

लाइनिंग हो ऐसी

सभी अच्छे बैग की एक खासियत है कि इन सभी में लाइनिंग होती है. लाइनिंग फैब्रिक से बनी एक पतली परत होती है जो बैग के अंदर मौजूद होती है. लाइनिंग, बैग के असली मैटेरिअल को सामान से खराब होने से बचाता है. जब आपबैग खरीदने जाए तो एक बार आप बैग को ज़रूर खोलकर देंखे और इसकी लाइनिंग को जांच-परख लें कि ये अच्छी क्वालीटी की है या नहीं. आपके बैग की लंबी उम्र लाइनिंग पर ही डिपेंड करेगी।

पर्सनैलिटी के बारे में

किसी भी बैग को आप सिर्फ इसलिए ना खरीद लें क्योंकि ये देखने में काफी खूबसूरत है और आपके बजट के अंगर आ रहा है. बैग आपके वॉर्डरोब का ज़रूरी हिस्सा होता है और आपके आउटफिट्स के साथ भी इसे परफेक्टली मैच करना चाहिए. ऐसा कुछ भी खरीदना बेफिजूल होगा जिसे आप कभी-कभार ही इस्तेमाल कर सके. इसलिए ऐसा बैग खरीदें जिसे आप हर मौके पर कैरी कर सके।

अब घर पर बनाइए अपना काजल



एक छोटा डिब्बा काजल रखने के लिए

दोनों एक साइज़ के कप्स को एक सीध में रखें, बीच में इतनी जगह छोड़ें की छोटी कटोरी वहां रखी जा सके। अब छोटी कटोरी में कपूर या घी डालकर उसे इन दो कप्स के बीच में रखें। अब इसे जलाएं और दोनों कप्स पर टिकाते हुए एक तांबे की प्लेट को पलटकर रख दें। इसे ऐसे ही रहने दें जबतक कटोरी में रखी चीज़ पूरी तरह से जल ना जाए। प्लेट को थोड़ा ठंडा होने दें। अब प्लेट पर इकट्ठा हुई कालिख को खुरचकर एक डिब्बे में निकाल लें। इसमें कुछ बूंदें बादाम तेल की मिलाकर एक स्मूद पेस्ट बनाएं। पर ध्यान रखें कि ये ना तो बहुत पतला हो और ना ही ज़्यादा गाढ़ा। आपका होममेड काजल तैयार है! अब इसे एक पतले ब्रश या कॉटन बड की मदद से अपनी आंखों पर लगाएं।

दुनिया की किसी भी लडक़ी ने आजतक खूबसूरत, काजल से सजी हिरनी जैसी आंखों के लिए मना नहीं किया होगा! (वैसे हमारे काजल से भी हमारा रिश्ता काफी अजीब है!)पर इन दिनों बाज़ार में केमिकल से लदे प्रोडक्ट्स से भरी हुआ है, यहां तक की आपका काजल भी। जिसका परिणाम अकसर जलन, आंखों का लालपन और इन्फेक्शन्स होता है. (ये पढने के बाद आपको दोबारा कभी भी थकी और सूजी आंखों का सामना नहीं करना पड़ेगा.) तो क्यों ना अपना काजल खुद घर पर ही बनाएं? ये बेशक आपके महंगे और ब्रैंडेड काजल की तरह वॉटरप्रूफ नहीं होगा और ना ही बहुत लंबे समय तक चलेगा, पर ये बेशक 100% नैचुरल और केमिकल-फ्री होगा।

एशियाई देशों के प्रशासनिक विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने की पहल

वी. श्रीनिवास ने रखा एशियाई संवाद का प्रस्ताव, भारत के डिजिटल मॉडल पर दिया जोर

सियोल/जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने भारत, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान के लोक प्रशासन विशेषज्ञों और प्रशासकों को एक मंच पर लाने के लिए एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सियोल में अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान (आईआईएएस) के वार्षिक सम्मेलन के पहले दिन संस्थान के अध्यक्ष के रूप में यह सुझाव दिया। प्रस्तावित संवाद को आईआईएएस के आने वाले सम्मेलनों में शामिल करने से एशियाई देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। यह पहल शोध को प्रशासन के कामकाज से जोड़ने की उनकी प्राथमिकता के अनुरूप है।



लोक प्रशासन के एशियाई मॉडल को बढ़ावा देने पर जोर- श्रीनिवास ने एशियाई लोक प्रशासन समूह को संबोधित करते हुए शासन और लोक प्रशासन के एशियाई मॉडल को बढ़ावा देने पर बात की। इस दौरान समूह के अध्यक्ष इंडोनेशिया के प्रोफेसर एको प्रसोजो, दक्षिण कोरिया के प्रोफेसर ह्युंग जुन पार्क और चीन की सुश्री वांग यी सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चीन में सम्मेलन का प्रस्ताव, डिजिटल गवर्नेंस में भारत के अनुभव साझा किए- श्रीनिवास ने चीनी कार्मिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष ली जियानझोंग के साथ बैठक में एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि अकादमी चीन में आईआईएएस के किसी आगामी सम्मेलन की मेजबानी करे। इससे चीन के शोधकर्ताओं और प्रशासकों को दूसरे देशों के विशेषज्ञों के साथ नीतियों और प्रशासन से जुड़े अपने अनुभव साझा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने चीनी शोधकर्ताओं को 'इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज' और आईआईएएस के अन्य प्रकाशनों में योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित किया। बैठक में श्रीनिवास ने मिशन कर्मयोगी, आधार और यूपीआई से जुड़े भारत के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुशासन केंद्र ने 40 से अधिक देशों के 5,200 से अधिक लोक सेवकों को प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने सीपीग्राम्स पोर्टल का उल्लेख किया, जहां नागरिक ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर उसकी स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने सरकारी फाइलों पर डिजिटल तरीके से काम करने के लिए ई-ऑफिस का उदाहरण भी दिया।

श्रीनिवास ने सिविल सेवा सुधारों और नेतृत्व विकास पर अकादमी के विचार जानने चाहे। उन्होंने यह भी पूछा कि चीन अपनी सिविल सेवा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल बदलावों के लिए कैसे तैयार कर रहा है।

आईआईएएस की काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन और जनरल असेंबली की अध्यक्षता की- श्रीनिवास ने आईआईएएस की काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन और जनरल असेंबली की अध्यक्षता की और संस्थान की फाइनेंस कमेटी को संबोधित किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के प्रोफेसर यंग बुम ली के साथ अलग से बैठक भी की। प्रोफेसर ली सियोल सम्मेलन की लोकल ऑर्गनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए आईआईएएस के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हैं।

सम्मेलन की थीम 'ग्रोथ फॉर सोसाइटी' है। इसमें इस बात पर चर्चा हो रही है कि सरकारें, शोधकर्ता, उद्योग जगत और नागरिक समाज तकनीकी बदलाव और असमानता जैसी चुनौतियों का मिलकर कैसे सामना कर सकते हैं। श्रीनिवास ने अपने स्वागत संदेश में इन चर्चाओं में एशिया के शोध और प्रशासनिक अनुभवों के महत्व पर जोर दिया। आईआईएएस के पहले भारतीय अध्यक्ष वी. श्रीनिवास सम्मेलन के दौरान शासन और प्रशासन के क्षेत्र में राजस्थान और भारत के अनुभव भी साझा करेंगे। चार दिवसीय सम्मेलन 20 नवंबर तक चलेगा।

न्यूज इनबॉक्स

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में हुए सड़क हादसे पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

तंबाकू मुक्त जयपुर बनाने के लिए 60 दिवसीय जागरूकता अभियान

जयपुर (कासं)। जिले में आयोजित ही रहे 'टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 4.श' के अन्तर्गत आमजन को विभिन्न जन-जागरुकता गतिविधियों के माध्यम से तम्बाकू छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि 'टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 4.०' के 60 दिवसीय विशेष अभियान के अन्तर्गत विभिन्न माध्यमों से आमजन को जागरुक करते हुये जिले को तम्बाकू मुक्त करना मूल ध्येय है। 'टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 4.०' के अन्तर्गत जिले में स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा शहरी क्षेत्र में महिला आरोग्य समिति एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम जल स्वच्छता समितियों के माध्यम से आमजन को तम्बाकू छोडने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, (स्वास्थ्य) जयपुर प्रथम डॉ. मनु शेखावत ने बताया कि ''टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन'' 4.० के अन्तर्गत तम्बाकू सेवन के खतरों के प्रति आगाह करने हेतु जिला स्तर से सोशल मीडिया के माध्यम में आमजन को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही जन जागरूकता रैलियों के द्वारा व्यापक स्तर पर तम्बाकू निषेध का संदेश दिया जा रहा है। आमजन को तम्बाकू सेवन न करने व अपने परिचितों को भी तम्बाकू सेवन नही करने की समझाइश की जा रही है।

राज्यपाल ने गोपाष्टमी पर्व पर गौ-माता और बछड़े की विधि-विधान से पूजा की

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को पिंजरापोल गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने वहां गौ-माता और बछड़े की विधि-विधान से पूजा करते हुए आरती उतारी। राज्यपाल ने इससे पहले गौशाला में आयोजित हवन में आहुति दी और वहीं काल भैरव मंदिर में भी पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। उन्होंने गौ पूजन करने के बाद उन्हें छप्पन भोग अर्पित किया। उन्होंने वहां के वैदिक पादप औषधीय केंद्र, गोबर उत्पादन और जैविक कृषि के उत्पादों का भी इस दौरान अवलोकन किया।

अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे द्वारा किया जा रहा है विशेष रेलसेवाओं का संचालन

जयपुर (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा देवउठनी एकादशी के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु भिवानी-कुरुक्षेत्र एक तरफा एवं कुरुक्षेत्र-फुलेरा-कुरुक्षेत्र के मध्य अनारक्षित स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार यह रेलसेवा 18.11.2026 को एक ट्रिप संचालित होगी। यह भिवानी से 16.30 बजे रवाना होकर 22.00 बजे कुरुक्षेत्र पहुंचेगी।

यह रेलसेवा मार्ग में कलानौर कलां, रोहतक एवं पानीपत स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 12 साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 14 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 04745/04746, कुरुक्षेत्र-फुलेरा-कुरुक्षेत्र अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा गाड़ी संख्या 04745, कुरुक्षेत्र-फुलेरा अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा 18.11.2026 से 21.11.2026 तक (04 ट्रिप) कुरुक्षेत्र से प्रतिदिन 23.30 बजे रवाना होकर अगले दिन 08.30 बजे फुलेरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 04746, फुलेरा-कुरुक्षेत्र अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा 19.11.2026 से 22.11.2026 तक (04 ट्रिप) फुलेरा से प्रतिदिन 09.50 बजे रवाना होकर उसी दिन 20.00 बजे कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में कैथल, नरवाना, जींद, जुलाना, रोहतक, अस्थल बोहर, झज्जर, रेवाड़ी, कुंड, अटेली, नारनौल, डाबला, नीमकाथाना, कावंट, श्रीमाधोपुर, रींगस एवं रेनवाल स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

सुशीलपुरा से गंदा नाले तक 15.56 करोड़ रुपये की लागत से 4.50 किमी सीवर लाइन का कार्य पूर्ण

द्रव्यवती नदी में प्रतिदिन गिरने वाले 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर के प्रवाह पर लगा प्रभावी अंकुश



जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा द्रव्यवती नदी को प्रदूषणमुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण किया गया है। सुशीलपुरा, अजमेर रोड पुलिया के निकट झोटवाड़ा एवं वैशाली नगर क्षेत्र से देहलावास एसटीपी की ओर जाने वाली सीवर लाइन में क्षमता से अधिक सीवर प्रवाह होने के कारण प्रतिदिन लगभग 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर का सरप्लस फ्लो डायवर्ट होकर द्रव्यवती नदी में पहुंच रहा था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए जेडीए द्वारा सुशीलपुरा से गंदा नाला तक 4.50 किलोमीटर लंबाई में 1.0 मीटर व्यास की नई सीवर लाइन डालने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इस कार्य के लिए जेडीए द्वारा 15.56 करोड़ रुपये की लागत का कार्यादेश दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को मैसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड-एसयूसीजी कंसोर्टियम को जारी किया गया था। कार्य पूर्ण होने के पश्चात सुशीलपुरा की ओर से आने वाले अतिरिक्त सीवर प्रवाह को नई सीवर लाइन के माध्यम से गंदा नाला होते हुए 100 एमएलडी क्षमता के रिको एसटीपी, तरुछाया नगर तक पहुंचाया जा रहा है, जहां सीवर का वैज्ञानिक तरीके से शोधन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से पूर्व में द्रव्यवती नदी में पहुंचने वाले प्रतिदिन लगभग 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर प्रवाह को रोकने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इससे नदी में अशोधित सीवर के प्रवाह पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा जल प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

लोकभवन में राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत उदात्त मूल्यों से जुड़ा पूरे विश्व को अपना मानने वाला राष्ट्र है। यहां की संस्कृति सभी को स्वीकार कर विश्व कल्याण की सोच से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि यहां पर हुण आए, ग्रीक आए, मुगल आये, अंग्रेज आए पर भारत ने सबको अपनाते हुए भी अपनी नैतिकता और जीवन मूल्यों की उदार दृष्टि को कभी छोड़ा नहीं। इसीलिए यहां की संस्कृति अक्षुण्ण है, इसे कोई चाहकर भी नष्ट नहीं कर सकता। बागडे मंगलवार को लोकभवन में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारत के राज्य राष्ट्र की संप्रभुता और समृद्धता है। उन्होंने इन राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के निवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विविधता में एकता की भारत भूमि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना लिए है।

मातृ मृत्यु के मामलों में अगस्त से अक्टूबर तक लगभग 40 प्रतिशत की कमी

अक्टूबर में सर्वाधिक 59 प्रतिशत की गिरावट



जयपुर (कासं)। प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान एवं समुचित प्रबंधन तथा नियमित मॉनिटरिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में अगस्त से अक्टूबर तक मातृ मृत्यु के मामलों में लगभग 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। अक्टूबर माह में यह कमी लगभग 59 प्रतिशत रही है। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बताया कि अगस्त 2025 में मातृ मृत्यु के 100 मामले दर्ज हुए थे, जबकि अगस्त 2026 में यह संख्या घटकर 73 रह गई। इस प्रकार 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसी प्रकार सितंबर में 83 के मुकाबले 54 मामले दर्ज हुए, जो लगभग 35 प्रतिशत की कमी है। अक्टूबर माह में 87 के मुकाबले केवल 36 मामले दर्ज हुए, जो लगभग 59 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्शाता है। अगस्त से अक्टूबर तक वर्ष 2025 में 270 मातृ मृत्यु के मुकाबले वर्ष 2026 में 163 मामले दर्ज हुए हैं। इस प्रकार कुल 107 मामलों अर्थात लगभग 39.6 प्रतिशत की कमी आई है।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि मातृ मृत्यु के मामलों में आई कमी संतोषजनक है, लेकिन प्रत्येक मातृ मृत्यु को रोकने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मातृ मृत्यु प्रकरण का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तथा मृत्यु के कारणों, उपचार में हुई देरी, रेफरल व्यवस्था और चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोधपुर जिले के उम्मेद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आईवीआईजी इंजेक्शन के वितरण में अनियमितता के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रभारी को प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस में तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

पुष्कर मेले में बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 16 नाबालिगों को कराया रेस्क्यू

2 से 13 वर्ष तक के 6 बालक और 10 बालिकाएं भीख मांगते मिले, बाल कल्याण समिति के आदेश पर शिशुगृह एवं बालिका गृह में भिजवाया



जयपुर (कासं)। पुष्कर मेले में बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ अजमेर पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया है। इनमें 6 बालक और 10 बालिकाएं शामिल हैं। बच्चों की उम्र 2 से 13 वर्ष के बीच है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका कुमावत के सुपरविजन में संचालित उमंग VIII अभियान के तहत की गई। संयुक्त टीम का नेतृत्व मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी नवीन गौड़ ने किया। ये बच्चे मेले में सड़कों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आने वाले यात्रियों से भीख मांगते हुए मिले। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। समिति के आदेशानुसार बच्चों को सुरक्षित रूप से शिशुगृह एवं बालिका गृह में भिजवाया गया।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई बच्चा भीख मांगता दिखाई दे तो उसे पैसे अथवा खाने-पीने की वस्तुएं न दें। इसके बजाय इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 अथवा मानव तस्करी विरोधी इकाई के मोबाइल नंबर 8058066525 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

45वां अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2026

राजस्थान मंडप में हल्के वजन एवं गर्माहट के लिये पसंद की जा रही हैं जयपुरी रजाईयां

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 45 वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों को आगंतुकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है और उनके हल्के वजन, कोमलता एवं गर्माहट की खासियत के लिए भरपूर सराहना की जा रही है। मंडप में राजस्थानी रजाईयों की व्यापक एवं भरपूर रेंज उपलब्ध है।

राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों के स्टॉल संचालक अब्दुल रउफ ने बताया कि मात्र 500 ग्राम वजन से तैयार जयपुरी रजाईयों को आगंतुक काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जयपुरी रजाईयां बनाना मंसूरी का वंशानुगत व्यवसाय है और इसे वे पिछली पांच पीढ़ीयों से करते आ रहे हैं। इसे बनाने में घर के बुजुर्गों से लेकर महिलाएं भी अपना पूर्ण योगदान करती हैं। उन्होंने बताया कि जयपुर के मंसूरी सर्दी के मौसम में घरेलू उपयोग में आने वाले सभी प्रकार के उत्पादों को बनाते हैं, लेकिन रजाई बनाने में उन्हें विशेष योग्यता प्राप्त है। सर्दियों में दैनिक उपयोग के लिये रजाई की उच्च गुणवत्ता का उत्पादन उनकी विशेष पहचान है।

अब्दुल रउफ ने बताया कि रजाईयों को बनाने के लिए बेहतरीन सामग्री का उपयोग किया जाता है, वजन में हल्की होने के बावजूद ये बहुत ही गर्म और आरामदायक होती है। इनको बनाने में उच्च श्रेणी की शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कपास का प्रयोग किया जाता है।



साथ ही आधुनिक फैशनेबल एवं राजस्थानी डिजाइनों में इन्हें बनाया जा रहा है जिसे ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के लिये उनके छोटे-छोटे बच्चों के लिए बेबी आकृति और आकार में रजाईयां भी उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्टॉल पर रजाईयां 1200 से 4500 तक की रेंज में उपलब्ध है। अब्दुल रउफ ने बताया कि राजस्थान की शुद्ध कपास से पारंपरिक सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंट में विश्व प्रसिद्ध जयपुरी डबल बेड की रजाईयां भी बनाई जा रही हैं जो कि दर्शकों द्वारा काफी पसंद की जाती हैं। जयपुरी रजाई अपने कम वजन, कोमलता और गर्मी के लिये विशेष रूप से जानी जाती हैं। अब्दुल रउफ ने बताया कि जयपुरी रजाई बनाने की इस विशेष कला के लिये सर्वश्रेष्ठ उद्यमी सहित प्रसिद्ध पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि उनका हमेशा प्रयास रहा है कि ग्राहकों को उत्पादनों से अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो। हमें अपने ग्राहकों को अधिकतम संतुष्टि और उनकी सभी जरूरतों को पूरा करने में बहुत ही खुशी मिलती है। उन्होंने बताया कि जयपुरी रजाईयों के अतिरिक्त स्टॉल पर रूई से बनी जैकैट्स की भी बिक्री की जा रही है, जिसकी रेंज 800 रुपये से 2000 रुपये तक रखी गई है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड अजमेर

क्रमांक :3152-54 दिनांक : 13/11/2026

(NIB NO-PWD 2627A3469)

(VVIP VISIT) अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या 23/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण / सड़क निर्माण कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 4 कार्य, जिनकी कुल लागत राशि रुपये 19.09 लाख है के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमन्त्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं खुलने का समय

दिनांक 19.11.2026 प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 19.11.2026 को सायं 3.00 बजे तक एवं खुलने की दिनांक 19.11.2026 समय सायं 5.00 बजे

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

UBN No. (1) PWD2627WSOB15704
(2) PWD2627WSOB15706
(3) PWD2627WSOB15707
(4) PWD2627WSOB15708

(विपिन जिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड अजमेर

DIPR/C/18412/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड अजमेर

क्रमांक :3152-54 दिनांक : 13/11/2026

(NIB NO-PWD 2627A3469)

(VVIP VISIT) अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या 23/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण / सड़क निर्माण कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 4 कार्य, जिनकी कुल लागत राशि रुपये 19.09 लाख है के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमन्त्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं खुलने का समय

दिनांक 19.11.2026 प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 19.11.2026 को सायं 3.00 बजे तक एवं खुलने की दिनांक 19.11.2026 समय सायं 5.00 बजे

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

UBN No. (1) PWD2627WSOB15704
(2) PWD2627WSOB15706
(3) PWD2627WSOB15707
(4) PWD2627WSOB15708

(विपिन जिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड अजमेर

DIPR/C/18412/2026

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।

फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625